अभिनय के बल पर अमरीश पुरी ने खलनायकी को नई पहचान दी

हिंदी सिनेमा में अमरीश पुरी ऐसे अभिनेता के रूप में याद किए जाते हैं, जिन्होंने अपनी बुलंद आवाज, रौबदार व्यक्तित्व और दमदार अभिनय के बल पर खलनायकी को नई पहचान दी.

'मोगैम्बो' जैसे कालजयी किरदार को जीवंत करने वाले अमरीश पुरी ने चार दशक से अधिक लंबे फिल्मी सफर में यह साबित किया कि एक खलनायक भी नायक जितना लोकप्रिय और दर्शकों के दिलों में अमर हो सकता है.

22 जून 1932 को पंजाब के नौशेरा गांव में जन्मे अमरीश पुरी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्मों से नहीं, बल्कि सरकारी नौकरी और रंगमंच से की थी. उन्होंने श्रम मंत्रालय में नौकरी करते हुए प्रसिद्ध रंगकर्मी सत्यदेव दुबे के निर्देशन में नाटकों में अभिनय किया. बाद में पृथ्वी थिएटर से जुड़कर उन्होंने अपनी अभिनय प्रतिभा को और निखारा. शुरुआती दौर में उन्हें फिल्मों में संघर्ष करना पड़ा और उनका पहला स्क्रीन टेस्ट भी असफल रहा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी.रंगमंच के दिनों में अमरीश पुरी की प्रतिभा का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक नाटक देखने के बाद प्रसिद्ध फिल्मकार और अभिनेता राज कपूर स्वयं मंच पर पहुंचे और उन्हें गले लगाते हुए कहा था, 'अमरीश, एक दिन तुम फिल्म इंडस्ट्री की शान बनोगे.' बाद के वर्षों में यह भविष्यवाणी पूरी तरह सच साबित हुई और अमरीश पुरी भारतीय सिनेमा के सबसे सम्मानित कलाकारों में शामिल हो गए.अमरीश पुरी के बड़े भाई मदन पुरी हिंदी फिल्मों के चर्चित खलनायक थे. भाई की सफलता से प्रेरित होकर अमरीश पुरी भी अभिनेता बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे, लेकिन सफलता उन्हें आसानी से नहीं मिली. संघर्ष के लंबे दौर के बाद उन्होंने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर फिल्म उद्योग में अलग मुकाम बनाया.

वर्ष 1971 में फिल्म 'रेशमा और शेरा' से उन्होंने फिल्मी दुनिया में कदम रखा. हालांकि शुरुआती फिल्मों से उन्हें विशेष पहचान नहीं मिली, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी अलग जगह बना ली. 'मंथन', 'भूमिका', 'कलयुग', 'मंडी' और 'अर्द्धसत्य' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को प्रभावित किया. विशेष रूप से 'अर्द्धसत्य' में निभाया गया उनका किरदार आज भी याद किया जाता है.

श्रद्धा की फिल्म 'ईथा' का रोंगटे खड़े करने वाला फर्स्ट लुक हुआ लीक

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अपनी आगामी फिल्म 'ईथा' के फर्स्ट लुक के साथ ही चर्चा का केंद्र बन गई हैं. लक्ष्मण उतेकर द्वारा निर्देशित यह फिल्म महाराष्ट्र की महान लावणी कलाकार विठाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर की बायोपिक है. फिल्म का टीजर हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुआ, जिसमें श्रद्धा कपूर एक लावणी नर्तकी के रूप में बेहद मनमोहक और प्रभावशाली नजर आ रही हैं.

फिल्म का टीजर विठाबाई नारायणगांवकर के जीवन के सबसे चुनौतीपूर्ण और यादगार अध्याय को दर्शाता है. दृश्य में श्रद्धा को गर्भावस्था के दौरान भी मंच पर अपनी प्रस्तुति देते हुए दिखाया गया है. प्रसव पीड़ा के बीच मंच से जाकर बच्चे को जन्म देने और फिर तुरंत वापस लौटकर प्रस्तुति पूरी करने का दृश्य दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देता है, जो विठाबाई के अटूट साहस और कला के प्रति समर्पण को बयां करता है.

सोशल मीडिया पर लीक हुए इस फर्स्ट लुक और टीजर को देखकर फैंस श्रद्धा कपूर की जमकर सराहना कर रहे हैं. दर्शकों का कहना है कि वे इस फिल्म के माध्यम से श्रद्धा की असली प्रतिभा को देख पाएंगे. फिल्म में श्रद्धा के साथ रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 28 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है.

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की नवीनतम फिल्म 'मां इंटी बंगारम' ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले वीकेंड में जबरदस्त प्रदर्शन किया है. फिल्म ने रविवार को भारत में 10.10 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन दर्ज किया, जिससे इसका कुल भारतीय नेट कलेक्शन 23.10 करोड़ रुपये और ग्रॉस कलेक्शन 26.69 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. दर्शकों की भारी ऑक्यूपेंसी के साथ, यह फिल्म रिलीज के बाद से ही लगातार मजबूती दिखा रही है.

'मां इंटी बंगारम' ने न केवल घरेलू बाजार में बल्कि विदेशों में भी अपनी धाक जमाई है. विदेशों से फिल्म ने अब तक 15.10 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन अर्जित किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 41.79 करोड़ रुपये हो गया है. विशेष रूप से हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में दर्शकों का उत्साह चरम पर है, जहां तेलुगु भाषा के शो में ऑक्यूपेंसी दर काफी ऊंची रही है. नंदिनी रेड्डी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक रहस्यमयी अतीत वाली महिला के संघर्ष और परिवार की रक्षा की मार्मिक कहानी को दर्शाती है.

गूगल सर्च पर नोरा फतेही का दबदबा

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा को पीछे छोड़ते हुए अभिनेत्री नोरा फतेही ने गूगल सर्च के मामले में नया इतिहास रच दिया है. फीफा वर्ल्ड कप 2026 के उद्घाटन समारोह में उनकी शानदार डांस परफॉर्मेंस के बाद उनकी लोकप्रियता में अभूतपूर्व उछाल देखने को मिला है. अपने गानों, ग्लैमरस अंदाज और आगामी प्रोजेक्ट्स के चलते नोरा इस समय इंटरनेट की दुनिया में सबसे ज्यादा चर्चा का विषय बनी हुई हैं.

हाल ही में जारी गूगल ट्रेंड्स के आधिकारिक आंकड़े बताते हैं कि नोरा फतेही ने न केवल प्रियंका चोपड़ा, बल्कि आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों को भी पछाड़कर नंबर एक स्थान हासिल किया है. फीफा स्पेशल गाने की रिकॉर्ड-तोड़ सफलता और लगातार ट्रेंड कर रहे उनके डांस वीडियो के कारण वैश्विक स्तर पर उन्हें खोजने वाले यूजर्स की संख्या में भारी वृद्धि हुई है. अपनी इस बड़ी कामयाबी से नोरा फतेही बेहद भावुक नजर आईं. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने सफर को एक 'रोलर-कोस्टर राइड' बताते हुए उन सभी देशों और संस्कृतियों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उनके करियर को संवारने में योगदान दिया है. यह उपलब्धि नोरा के संघर्ष और प्रतिभा की वैश्विक पहचान को साबित करती है, जिससे उनके प्रशंसकों में खुशी की लहर है.

तारक मेहता का उल्टा चश्मा में बाघा-बावरी की प्रेम कहानी का बड़ा हंगामा

सालों से, बाघा और बावरी असित कुमार मोदी के तारक मेहता का उल्टा चश्मा के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक रहे हैं. उनके मासूम रोमांस, अनोखी केमिस्ट्री और अनगिनत गलतफहमियों ने कई पीढ़ियों का दिल जीता है. उनके साथ, बाघा के साथ नटू काका के रिश्ते ने एक खास अपनापन और ह्यूमर जोड़ा है जिसे दर्शक सालों से संजोते आए हैं. अब, पहली बार, असित कुमार मोदी बाघा और बावरी की लव स्टोरी के इर्द-गिर्द एक पूरी स्टोरी ट्रैक बना रहे हैं, जिसमें इन फैंस के पसंदीदा किरदारों को एक इमोशनल कहानी के सेंटर में लाया गया है जो हंसी, ड्रामा, त्याग और दिल टूटने का वादा करती है.

गातिमान फिल्म्स ने की 'थाप यूट्यूबर स्टार' की घोषणा

गातिमान फिल्म्स ने अपनी नई फिल्म 'थाप यूट्यूबर स्टार' की आधिकारिक घोषणा कर दी है. मोशन पोस्टर के जरिए सामने आई इस फिल्म ने दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है. फिल्म डांस, सपनों और आज की डिजिटल दुनिया से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी लेकर आने वाली है.

फिल्म का निर्माण पदाम सिंह कर रहे हैं, जो सिद्धांत घरत के साथ इसके निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे. फिल्म की कहानी पदाम सिंह ने लिखी है, जबकि स्क्रीनप्ले और संवाद निरंजन बुधाधरा द्वारा लिखे गए हैं. सिनेमैटोग्राफी का जिम्मा नरेश शाह के पास है. फिल्म की पहली कास्टिंग के रूप में अभिनेता अशोक डी स्टार का नाम सामने आया है. निर्माताओं के अनुसार आने वाले दिनों में फिल्म से जुड़े कई अन्य कलाकारों की भी घोषणा की जाएगी. बताया जा रहा है कि फिल्म में कई नए और जाने-पहचाने चेहरे देखने को मिलेंगे. फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता-निर्देशक पदाम सिंह ने कहा कि 'थाप यूट्यूबर स्टार' सिर्फ डांस पर आधारित फिल्म नहीं है, बल्कि यह आज के युवाओं के सपनों, संघर्ष और पहचान बनाने की चाह को भी दर्शाएगी.

उन्होंने कहा कि कहानी में मनोरंजन के साथ-साथ ऐसे कई भावनात्मक पहलू होंगे, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ पाएंगे.

सितारों ने अपने जीवन के असली सुपरहीरोज को किया सलाम

'पापा', 'डैड', 'फादर', 'बाबा'... ये सिर्फ शब्द नहीं, बल्कि एक एहसास हैं. एक पिता अक्सर अपने बच्चे की जिंदगी का सबसे मजबूत सहारा होता है. वह चुपचाप एक ढाल बनकर खड़ा रहता है और हमेशा यह सुनिश्चित करता है कि उसका बच्चा सुरक्षित, खुश और निश्चिंत रहे. अक्सर हम मां के त्याग की बात करते हैं, लेकिन पिता भी बिना किसी अपेक्षा के जीवनभर कई त्याग करते हैं. वह भले ही सख्त दिखाई दें और हर बात पर तुरंत हां न कहें, लेकिन उसके पीछे हमेशा अपने बच्चे को बेहतर जिंदगी देने की सोच होती है. हर बच्चे के लिए उसका पिता उसका पहला सुपरहीरो होता है, जो अपने कामों और मूल्यों के जरिए उसे मजबूती, संस्कार और बिना शर्त साथ निभाने का मतलब सिखाता है. इस फादर्स डे पर जी टीवी के कलाकारों- 'दिलों की राम लीला' के एजाज़ खान, 'तू ही रे दिल में' के अबरार काज़ी, 'गंगा माई की बेटियां' की अमनदीप सिद्धू, 'तुम से तुम तक' की निहारिका चौकसे, 'जगद्धात्री' की सोनाक्षी बत्रा, 'लक्ष्मी निवास' की मानसी जोशी रॉय, 'वसुधा' के अभिषेक शर्मा, 'जाने अनजाने हम मिले' के भरत अहलावत और 'सरू' की मोहक मटकर ने अपने जीवन के सबसे बड़े सुपरहीरोज़ को याद किया.

सा रे गा मा पा के नए सीजन का ऐलान

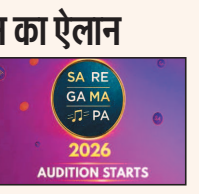

सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' एक बार फिर नए सीज़न के साथ लौट रहा है. इस बार यह सिर्फ बड़ा नहीं, बल्कि अब तक का सबसे भव्य, शानदार और यादगार सीजन बनने जा रहा है. तीन दशक से भी ज्यादा समय से यह शो देश के सबसे भरोसेमंद और लोकप्रिय संगीत मंचों में गिना जाता है और इसने श्रेया घोषाल, शेखर रावजियानी, कुणाल गांजावाला जैसे कई बेहतरीन कलाकारों को देश को दिया है, जिन्होंने आगे चलकर भारतीय संगीत जगत में अपनी अलग पहचान बनाई. ऐसे समय में जब कई रियलिटी शोज़ का फोकस ड्रामे और सनसनी पर ज्यादा होता है, 'सा रे गा मा पा' आज भी अपनी सबसे बड़ी पहचान यानी बेहतरीन गायकी, असली प्रतिभा और एक शानदार आवाज़ की ताकत का जश्न मनाता है.

कलाकारों ने बताया कैसे योग ने बदली उनकी जिंदगी

योग आज सिर्फ एक एक्सरसाइज़ नहीं, बल्कि लाखों लोगों की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन चुका है. यह शरीर को फिट रखने के साथ-साथ मन को भी सुकून देता है और रोज़मर्रा की भागदौड़ के बीच खुद के लिए कुछ पल निकालने का मौका देता है. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल हमें योग की इसी ताकत की याद दिलाता है. पिछले कुछ सालों में कई कलाकारों ने भी योग को अपनी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बनाया है और लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया है. योग सिर्फ शरीर को नहीं, बल्कि सोच, फोकस और पूरे व्यक्तित्व को बेहतर बनाने में मदद करता है. इस खास मौके पर जी टीवी के कलाकार - 'जाने अनजाने हम मिले' की रीत यानी आयुषी खुराना, 'जगद्धात्री' की माया यानी सायंतनी घोष, 'वसुधा' के देव यानी अभिषेक शर्मा, 'लक्ष्मी निवास' की राधिका यानी अक्षिता मुद्गल, 'तुम से तुम तक' की अनु यानी निहारिका चौकसे ने भी बताया कि योग ने उनकी ज़िंदगी पर किस तरह पॉज़िटिव असर किया है

ऑटोमोबाइल

रॉयल एनफील्ड की ईवी बाइक की डिलीवरी शुरू

भारतीय मोटरसाइकिल बाजार में अपनी अलग पहचान रखने वाली रॉयल एनफील्ड ने आखिरकार इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दुनिया में एंट्री कर ली है। कंपनी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल फ्लाइंग फ्ली सी6 की डिलीवरी शुरू कर दी है. अब तक अपनी बाइक्स की भारी-भरकम बॉडी, क्लासिक लुक और खास 'डुग-डुग' साउंड के लिए मशहूर रही रॉयल एनफील्ड ने इस बार बिल्कुल उलट रास्ता चुना है. फ्लाइंग फ्ली सी 6 एक ऐसी बाइक है, जो बिना शोर के चलेगी, लेकिन कंपनी इसे अपने विरासत वाले डीएनए और प्रीमियम पहचान के साथ बाजार में उतार रही है.

कंपनी ने इस इलेक्ट्रिक बाइक की शुरुआती कीमत 1.99 लाख रुपये रखी है. इसे खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है जो क्लासिक डिजाइन, आधुनिक फीचर्स और इलेक्ट्रिक टेक्नोलॉजी का मिश्रण चाहते हैं. इस बाइक का नाम भी रॉयल एनफील्ड के इतिहास से जुड़ा माना जा रहा है, क्योंकि यह ब्रांड की विरासत और भविष्य के बीच एक पुल की तरह पेश की जा रही है. इस बाइक की सबसे बड़ी खासियत इसका साइलेंट ऑपरेशन है. यानी रॉयल एनफील्ड की पहचान रही 'डुग-डुग' आवाज अब इस मॉडल में सुनाई नहीं देगी.

हालांकि कंपनी का फोकस इसे सिर्फ एक इलेक्ट्रिक बाइक के रूप में पेश करना नहीं, बल्कि एक प्रीमियम शहरी कम्यूटर के तौर पर स्थापित करना है. माना जा रहा है कि इसमें मॉडर्न कनेक्टिविटी फीचर्स, डिजिटल इंस्ट्रूमेंटेशन, स्मार्ट बैटरी मैनेजमेंट और बेहतर राइडिंग कम्फर्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं.

फ्लाइंग फ्ली सी 6 को लेकर कंपनी बैटरी और रेंज के मोर्चे पर भी ग्राहकों को आकर्षित करना चाहती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसमें ऐसा सेटअप दिया गया है जो शहर के रोजाना इस्तेमाल के लिहाज से उपयुक्त माना जा रहा है. इसके साथ कंपनी बैटरी रेंटल या सब्सक्रिप्शन जैसे मॉडल पर भी काम कर रही है, ताकि शुरुआती लागत कम रखी जा सके और ग्राहक आसानी से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की तरफ शिफ्ट हो सकें.

सेकंड हैंड मार्केट में सबसे ज्यादा बिक रही स्विफ्ट

भारतीय ऑटो बाजार में मारुति सुजुकी का दबदबा सिर्फ नई कारों तक सीमित नहीं है, बल्कि सेकंड हैंड कार मार्केट में भी कंपनी का मजबूत असर देखने को मिलता है. खास तौर पर मारुति स्विफ्ट ऐसी कार बनकर उभरी है, जिसकी डिमांड पुरानी कार बाजार में लगातार बनी हुई है. कम बजट में भरोसेमंद कार खरीदने की सोच रहे ग्राहकों के लिए स्विफ्ट सबसे पसंदीदा विकल्पों में शामिल है.

यही वजह है कि यूज्ड कार मार्केट में इसकी बिक्री तेज बनी हुई है और कई खरीदार नई कार की जगह अच्छी कंडीशन वाली पुरानी स्विफ्ट लेना ज्यादा बेहतर समझ रहे हैं. मारुति स्विफ्ट की लोकप्रियता के पीछे सबसे बड़ा कारण इसका बेहतर माइलेज है. कुछ रिपोर्ट्स में इसके कुछ वेरिएंट करीब 32 किलोमीटर प्रति किलो तक का माइलेज देने के लिए जाने जाते हैं, जो इसे कम खर्च में चलने वाली कारों की सूची में मजबूत जगह दिलाता है. पेट्रोल और सीएनजी दोनों विकल्पों में उपलब्ध रही स्विफ्ट उन ग्राहकों के लिए खास बन जाती है, जो रोजाना लंबी दूरी तय करते हैं और ईंधन पर कम खर्च चाहते हैं.

इसके अलावा स्विफ्ट का कॉम्पैक्ट साइज भी इसकी लोकप्रियता की एक बड़ी वजह है. शहर की भीड़भाड़ वाली सड़कों पर इसे चलाना आसान है, पार्किंग में ज्यादा दिक्कत नहीं होती और छोटे परिवार के लिए यह एक प्रैक्टिकल कार साबित होती है. इसके साथ मारुति का बड़ा सर्विस नेटवर्क, आसानी से मिलने वाले स्पेयर पार्ट्स और कम मेंटेनेंस कॉस्ट इसे सेकंड हैंड मार्केट में और मजबूत बनाते हैं. पुरानी कार खरीदने वाले ग्राहक आमतौर पर ऐसी कार चाहते हैं जिसकी रीसेल वैल्यू भी अच्छी हो, और इस मामले में स्विफ्ट का रिकॉर्ड मजबूत माना जाता है.

यही कारण है कि जो लोग पहली बार कार खरीद रहे हैं, वे भी स्विफ्ट को सुरक्षित और समझदारी वाला विकल्प मानते हैं. सेकंड हैंड मार्केट में स्विफ्ट की मांग यह भी दिखाती है कि भारतीय ग्राहक सिर्फ कीमत नहीं, बल्कि माइलेज, भरोसा और रखरखाव की लागत को भी बराबर महत्व देते हैं. ऐसे में मारुति स्विफ्ट ने खुद को एक ऐसी कार के रूप में स्थापित किया है, जो नई हो या पुरानी, दोनों बाजारों में लोगों की पसंद बनी रहती है.

600 केएम रेंज के साथ आ रही टाटा सिएरा इवी

भारतीय ऑटो बाजार में इलेक्ट्रिक सेगमेंट तेजी से बढ़ रहा है और टाटा मोटर्स इस रेस में लगातार अपनी पकड़ मजबूत करती जा रही है. अब कंपनी अपनी अगली बड़ी इलेक्ट्रिक पेशकश टाटा सिएरा इवी को लॉन्च करने की तैयारी में है. लॉन्च से पहले कंपनी ने इसका टीजर जारी कर दिया है, जिसके बाद इस एसयूवी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं. इस गाड़ी को टाटा की 7वीं इलेक्ट्रिक कार माना जा रहा है और यह कंपनी के इवी पोर्टफोलियो में एक प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फोकस्ड मॉडल के रूप में एंट्री कर सकती है.

टाटा सिएरा नाम भारतीय ग्राहकों के लिए नया नहीं है. 90 के दशक में सिएरा ने भारतीय बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई थी और अब उसी नाम को टाटा नए इलेक्ट्रिक अवतार में वापस ला रही है. हालांकि इस बार फोकस पूरी तरह मॉडर्न डिजाइन, स्मार्ट टेक्नोलॉजी और लंबी ड्राइविंग रेंज पर है. रिपोर्ट्स के मुताबिक,सिएरा इवी एक बार फुल चार्ज होने पर 600 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज दे सकती है. अगर ऐसा होता है तो यह टाटा की अब तक की सबसे दमदार रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवीस में शामिल हो सकती है. फीचर्स की बात करें तो सिएरा इवी का इंटीरियर इसकी सबसे बड़ी खासियतों में शामिल हो सकता है. इसमें तीन स्क्रीन वाला सेटअप मिलने की चर्चा है, जो इसे ज्यादा प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक बना सकता है.

भारत की तेज गर्मियों को बर्दाश्त कर सकते हैं इलेक्ट्रिक स्कूटर

गर्मियों में भारत के कई शहरों में तापमान 40 डिग्री को पार कर जाता है और कई हफ्तों तक यह गर्मी बनी रहती है. सड़कें तपने लगती हैं, ट्रैफिक रेंगने लगता है और दैनिक आवागमन बहुत मुश्किल हो जाता है. लेकिन फिर भी करोड़ों भारतीयों का जीवन सामान्य रूप से चलता रहता है. नौकरी-पेशे के लिए जाना हो, स्कूल जाना हो या किसी और काम से, आस-पास जाने के लिए स्कूटर सबसे सुविधाजनक साधन होते हैं.

भारतीय सड़कों पर इलेक्ट्रिक स्कूटरों की संख्या बढ़ती जा रही है. लेकिन एक सवाल ग्राहकों के मन में बार-बार उठता है, 'क्या इलेक्ट्रिक स्कूटर भारत की गर्मियों को झेल सकते हैं?'

इलेक्ट्रिक स्कूटर बैटरी पर चलते हैं. इसलिए कई लोगों को लगता है कि ज्यादा गर्मी से बैटरी की परफॉर्मेंस पर असर पड़ सकता है. यह चिंता जायज है. लेकिन इसका जवाब इस बात पर निर्भर है कि स्कूटर कितना सक्षम है और इसकी बैटरी को तेज गर्मी की परिस्थितियाँ सहने के लिए बनाया गया है या नहीं?

इलेक्ट्रिक स्कूटर की जान बैटरी में होती है. ठीक वैसे ही, जैसे पेट्रोल स्कूटर की जान उसके इंजन में होती है. इसलिए बैटरी निर्माता बैटरी सिस्टम को डिज़ाइन करने में काफी समय और मेहनत लगाते हैं. वो ऐसी बैटरी बनाते हैं, जो भारत की दैनिक परिस्थितियों के अनुरूप हो और भारी गर्मी को भी सहन कर सके. एथर जैसी कंपनियाँ गर्मियों को अपवाद नहीं मानती हैं. बल्कि, इस मौसम में भी ग्राहक उनके स्कूटरों का सामान्य इस्तेमाल जारी रखते हैं. एथर स्कूटर बाहर पार्क किए जाते हैं, रुक-रुक कर चलने वाले ट्रैफिक में ले जाए जाते हैं और रोज लंबी दूरी तय करने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है.